

Certificate

It is certified that I, Mrs. Sunita Verma have narrated the experience of my enterprise, which has been compiled in the form of a compilation. The data and content mentioned in my case study/success story is based on my experience.

Mrs. Sunita Verma

Address: Biswan, Sitapur, U.P.

Mobile Number:7460079761

The content of this story contains reliable data, as told and described by *Mrs. Sunita Verma*.

Signature

Head and Senior Scientist

Krishi Vigyan Kendra-II, Sitapur, U.P.

SENIOR SCIENTIST & HEAD
Krishi Vigyan Kendra-II
Sitapur Uttar Pradesh-201145
Mob-8004931020
Email-Sitapurk2@gmail.com

Drone Didi of Sitapur: A Women-Led Model of Eco-Entrepreneurship and Precision Agriculture

7. Profile

Name: Smt. Sunita Verma

Age: 39 years

Education: Graduate

KVK: Krishi Vigyan Kendra–II, Katiya, Sitapur

District / State: Sitapur, Uttar Pradesh

Enterprise: Drone spraying services, eco-friendly herbal color products, SHG-based enterprises



Background / Situation Analysis

Smt. Sunita Verma belongs to a financially weak rural family and is landless, cultivating 2.5 bigha of leased land for household sustenance. With two school-going children and limited livelihood options, the family faced economic insecurity. Social resistance, misinformation in the village, lack of infrastructure, and limited exposure to modern technologies further constrained her opportunities. **Catalysts of Change (Institutional & Capacity-Building Support)**

The turning point in her journey came through continuous support from Krishi Vigyan Kendra–II, Sitapur. Under the Rural Women Technical Park, she received skill-based training in eco-friendly enterprises. In 2023, she was selected under the Government of India's Drone Didi Scheme and received professional drone pilot training at IFFCO CORDET, Phulpur. Continuous handholding, demonstrations, motivation, and institutional linkage provided by KVK enabled her to adopt technology-driven entrepreneurship.

Pathway(s) to Progress (Innovations, Scaling & Success)

Smt. Sunita Verma diversified her livelihood through multiple enterprises. She produces eco-friendly

- Selected and trained under the Drone Didi Scheme
- Certified drone pilot providing precision spraying services
- Developed eco-friendly products from agricultural waste
- Active mobiliser and mentor of women SHG members
- Recognised as a role model for rural women and youth

products such as herbal gulal, cow-dung diyas, dhoopbatti, candles, pots, and charcoal briquettes using agricultural residues. Alongside, she practices crop cultivation on leased land to support household income and food security. After completing certified training, she began offering drone spraying services to farmers, ensuring timely and precise application of plant protection chemicals. Her husband actively supports drone operations using an electric van, making the enterprise family-based and sustainable. She also motivates and mobilises SHG women for income-generating activities.

Marketing Strategy

Eco-friendly products are sold through local markets, nearby villages, SHG networks, and exhibitions. Drone spraying services are promoted through farmer meetings, on-field demonstrations, word-of-mouth publicity, and KVK programmes, ensuring growing demand and trust among farmers.

Productivity & Income Enhancement

The adoption of diversified enterprises and drone services significantly improved her livelihood.

- **Annual Gross Income:** ₹3.50 lakh
- **Annual Net Income:** ₹2.00 lakh
- **Increase in income after intervention:** ₹1.50 lakh
- **Employment generation:** Self-employment, family employment (husband), and indirect opportunities for SHG women

The enterprise reduced drudgery, promoted precision agriculture, and ensured stable income.

Social / Personal Empowerment & Recognition

Smt. Sunita Verma has emerged as a symbol of women's leadership in agricultural technology. Popularly known as "Drone Didi", she actively mentors rural women, promotes eco-friendly practices, and popularises modern farm mechanisation. Her enhanced decision-making role, confidence, and social recognition reflect strong women-led entrepreneurship. She was honoured by the Hon'ble Governor on National Farmers' Day (23 December 2025) at Integral University for her outstanding contribution to agriculture and women empowerment.

Influence on Other Women / Farmers: Her success has inspired rural women and youth to adopt technology-based agri-services, waste-based enterprises, and SHG-led livelihoods, strengthening community-level entrepreneurship.

Media & Recognition

- **DD Kisan – “Bharat Ki Farm Lady, Dharti Ki Shaan”**
- **Broadcast Date:** 15 December 2025; **Theme:** Women empowerment through modern agriculture and drone technology



Pictures 2.1-Smt. Sunita Verma demonstrates the deployment of an Kisan drone for localized pesticide application



Picture 2.2-Smt. Sunita Verma operating agricultural drone in farmers' fields



Figure 2.3: Smt. Sunita Verma demonstrating the operational features of an agricultural drone at a technology exhibition



Picture 2.4: Herbal Color making with SHGs members led by Ms Sunita

Contributors: Dr. Daya Srivastava, Incharge, KVK Sitapur-II
Dr. Reema Devi, SMS (H.Sc.)



Picture 2.5-SHG members of Smt. Sunita group decorating handmade diyas for marketing.



Picture 2.6-Ms Sunita honoured by the Hon'ble Rajyapal (Governor of Uttar Pradesh) for her contribution to women empowerment

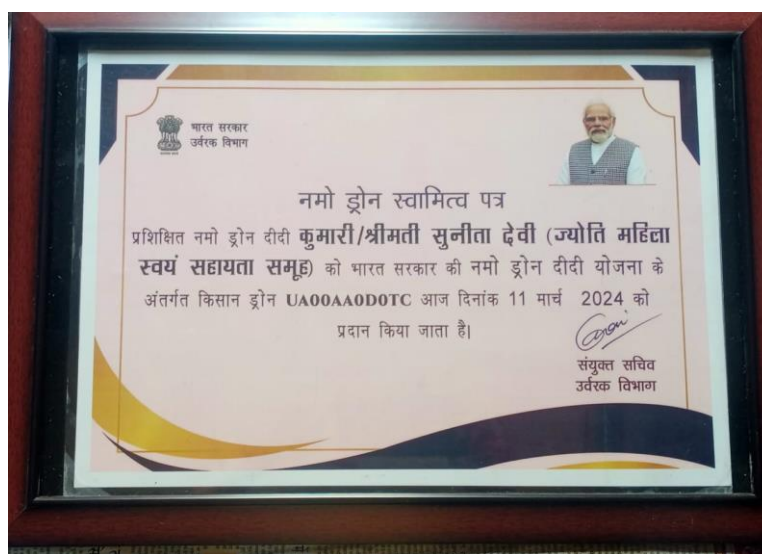


Picture 2.7-Miss Sunita Verma invited as guest speaker on DD-National Krishi Darshan programme

Contributors: Dr. Daya Srivastava, Incharge, KVK Sitapur-II
Dr. Reema Devi, SMS (H.Sc.)

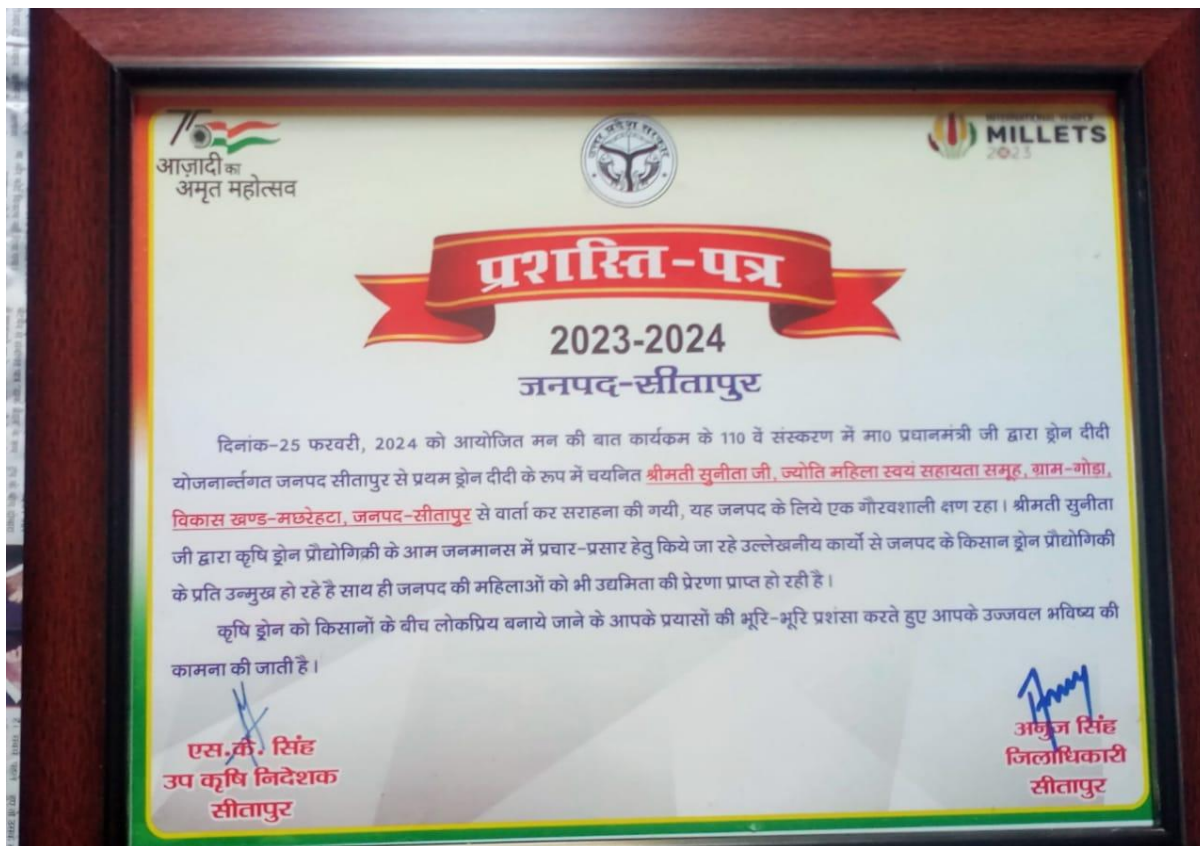


Figure 2.8-Smt Sunita Verma awarded with District Meritorious Service Award



Picture 2.9- Namo Drone Swamitva Certificate awarded to Kumari/Smt. Sunita Devi under the Government of India's Namo Drone Didi Scheme (March 2024).

Contributors: Dr. Daya Srivastava, Incharge, KVK Sitapur-II
Dr. Reema Devi, SMS (H.Sc.)



Picture 2.10-Certificate of Appreciation awarded to Smt. Sunita Devi (Jyoti Mahila Swayam Sahayata Samuh), Sitapur, for outstanding contribution in promoting agricultural drone technology during 2023–2024.

Contributors: Dr. Daya Srivastava, Incharge, KVK Sitapur-II
Dr. Reema Devi, SMS (H.Sc.)

प्रधानमंत्री ने ड्रोन दीदी सुनीता से की मन की बात, बढ़ाया हौसला

संसू सीतापुर : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के 110वें संस्करण में सीतापुर की ड्रोन दीदी सुनीता वर्मा से फोन पर बात की। प्रधानमंत्री ने सबसे पहले कहा, सुनीता जी नमस्कार। पहले अपने विषय में बताएं। सुनीता ने बताया कि मां, पति व दो बच्चे हैं। प्रधानमंत्री ने पूछा कि कितनी पढ़ाई की, सुनीता बोली बीए अंतिम वर्ष में हैं।

ड्रोन दीदी बनने का सफर कैसे शुरू किया, प्रशिक्षण कहाँ लिया, बदलाव कैसे आया। सुनीता बोली फूलपुर कैम में ड्रोन का प्रशिक्षण लिया। कृषि विज्ञान केंद्र कटिया में ड्रोन पहली बार देखा था। दूसरे दिन से पढ़ाई हुई। इसके बाद, कैसे क्या करना है, बताया गया। तीसरे दिन पेपर हुआ। ड्रोन चलाने का प्रैक्टिकल कराया गया। ड्रोन से कैसे स्प्रे किया जाए, बताया गया। हम 35 एकड़ स्प्रे कर चुके हैं। पानी, समय, पैसा व मजदूरी की बचत होती है। किसान भी इससे संतुष्ट हैं, जागरूकता बढ़ रही है। ड्रोन संचालन देखने के लिए



कृषि विज्ञान केंद्र कटिया में ड्रोन के साथ सुनीता वर्मा (दाएं से दूसरी) • सागर सदा



प्रधानमंत्री से फोन पर बात करती सुनीता वर्मा • जगन्नाथ

● प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम में छाया सीतापुर ड्रोन दीदी सुनीता वर्मा अब तक 35 एकड़ में कर चुकी ड्रोन से स्प्रे

सुनीता को कृषि विज्ञान केंद्र कटिया में ड्रोन की जानकारी दी गई थी। फिर ड्रोन दीदी योजना में चयन हुआ। प्रधानमंत्री ने सुनीता से बात कर हौसला बढ़ाया है।

डा. दया एस श्रीवास्तव, अध्यक्ष व वरिष्ठ विज्ञानी कृषि विज्ञान केंद्र कटिया

भीड़ लग जाती है। बड़े किसान स्प्रे के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। लखपति दीदी बनने के लिए क्या संदेश देंगी, इस सवाल पर सुनीता ने कहा कि महिलाएं आगे आकर ड्रोन दीदी बनें। अन्य महिलाएं भी जुड़ेंगी तो संख्या

बढ़ेगी तो अच्छा लगेगा। अंत में प्रधानमंत्री ने सुनीता का आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने लगभग चार मिनट बात की।

प्रधानमंत्री से बात कर भावुक हुई सुनीता : सुनीता ने बताया कि

ड्रोन दीदी सुनीता वर्मा से प्रधानमंत्री जी ने मन की बात कार्यक्रम में बात की। यह जिले के लिए गौरव का विषय है। एक एकड़ खेत में सात से आठ मिनट में खाद व कीटनाशक को छिड़काव कम समय व लागत में किया जा सकता है। 300 रुपये प्रति एकड़ खर्च आता है। किसानों के लिए यह बहुत अच्छी तकनीक है।

डा. ब्रज कुमार सिंह, उप कृषि निदेशक

प्रधानमंत्री जी का अचानक फोन आया तो बहुत खुशी हुई। ड्रोन के विषय में उन्होंने पूछा, हमने पूरी जानकारी दी। आज का दिन हमारे लिए बहुत बड़ी खुशी लेकर आया। स्वयं सहायता समूह भी हैं चलाती।

जिले में दो ड्रोन दीदी

भारत सरकार ने 2023 में ड्रोन दीदी योजना लागू की है। ड्रोन संचालन के लिए ड्रोन दीदी को एक ड्रोन, एक जनरेटर तथा एक व्हीकल प्रदान किया जाता है, जिसकी कुल लागत लगभग 15 लाख रुपये है। इसका खर्च भारत सरकार वहन करती है। जिले में ड्रोन दीदी की संख्या दो है।

फूलपुर में प्राप्त किया प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केंद्र कटिया में सुनीता ने ड्रोन की जानकारी ली थी। वर्ष 2023 में कृषि विज्ञान केंद्र व ड्रोन के सहयोग से ड्रोन पायलट के लिए चयन हुआ। इफको युनिट फूलपुर में ड्रोन चलाने का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

सुनीता स्वयं सहायता समूह भी चलाती हैं। समूह हबल गुलाल, गोबर दिये, धूपबत्ती, गमले, मोमबत्ती व अगरबत्ती आदि के उत्पाद तैयार करती हैं। समूह की महिलाओं को सुनीता प्रशिक्षित भी करती हैं।

अपनी ड्रोन दीदी सुनीता को पीएम मोदी ने मन की बात में सराहा

2018 में कृषि विज्ञान केंद्र में सीखा था ड्रोन उड़ाना, स्वयं सहायता समूह से जुड़कर ग्रामीण महिलाओं को बना रहीं आत्मनिर्भर

संवाद न्यूज एजेंसी

सीतापुर। विसर्वा ब्लॉक की रहने वाली सुनीता वर्मा (33) को क्षेत्र में ड्रोन दीदी के रूप में पहचान है। वह स्नातक उत्तीर्ण हैं। उनका काम दूसरे के लिए मिलाव है। उनके हुनर को सराहना रविवार को प्रधानमंत्री ने मन की बात के 110वें संस्करण में किया सुनीता से संवाद की है।

सुनीता को 2018 में कृषि विज्ञान केंद्र कटिया में ड्रोन की जानकारी हुई थी। इसके बाद सुनीता ने ड्रोन चलाने का पंद्रह दिन का प्रशिक्षण लिया। वर्ष 2023 में जब कृषि विज्ञान केंद्र कटिया और इफको के सहयोग से ड्रोन पायलटों का चयन होने लगा तो सुनीता एकमात्र ड्रोन दीदी के रूप में चुनी गईं।

सुनीता बोते एक वर्ष में 35 एकड़ खेतों में ड्रोन के माध्यम से उर्वरक का छिड़काव कर चुकी हैं। इसके साथ वह एक स्वयं सहायता समूह से जुड़कर अपनी जैसी महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही हैं।



विसर्वा निवासी सुनीता ड्रोन के साथ। • सागर

एक एकड़ में छिड़काव पर मिलते हैं 400 रुपये

सुनीता ने बताया कि उसके दो बच्चे हैं। पति संतोष वर्मा बेरोजगार हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने व भूमिहीन होने के कारण परिवार के भरण-पोषण के लिए दाई बीमा जमीन ठेके पर लेकर खेती करते हैं। ड्रोन से उर्वरक छिड़काव का काम भी करती हैं। एक एकड़ उर्वरक छिड़काव का 400 रुपये मानदेय मिलता है। अब तक 35 एकड़ खेतों में उर्वरक स्प्रे कर चुकी हैं। प्रधानमंत्री ने काम की सराहना की है। उम्मीद है कि अब भाग्य बदलेगा।

● स्वयं सहायता समूह से शुरू हुआ परिवर्तन : सुनीता ने बताया कि वह स्वयं सहायता समूह भी चलाती हैं। उनका समूह हबल गुलाल, गोबर के दिये, धूपबत्ती, गमले, कृषि अवशेषों से चारकोल ब्रेकेट निर्माण, मोमबत्ती अगरबत्ती जैसे उत्पाद तैयार करता है। इसे बेचकर समूह को आय होती है। इस आय को महिलाओं के उद्यान में लगाया जाता है।

हर इम्तिहान पास कर बनी ड्रोन दीदी

कृषि विज्ञान केंद्र कटिया के वरिष्ठ वैज्ञानिक व अध्यक्ष डा. दयाशंकर श्रीवास्तव ने बताया कि सुनीता वर्मा की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने के कारण बच्चों की पौंस भी कभी-कभी नहीं भर पाती थी। जिसे सुनकर मन में पीड़ा होती थी। 2023 में जब सूचना मिली कि केंद्र सरकार द्वारा ड्रोन दीदी योजना शुरू की गई है और इफको द्वारा चयन किया जाना है तो क्षेत्रीय प्रबंधक शिव शुक्ला से बात की। सुनीता वर्मा के नाम का प्रस्ताव भेजा गया। इफको के अधिकारियों ने साक्षात्कार के बाद चयन किया। प्रधानमंत्री ने जब सुनीता से बात की तो बहुत खुशी हुई। इस क्षेत्र में अन्य महिलाओं को भी आगे आना चाहिए।

आप भी बन सकती हैं ड्रोन दीदी

सुनीता ने बताया कि जिले की अन्य महिलाएं भी ड्रोन दीदी बन सकती हैं। जिले की कोई भी महिला यदि ड्रोन दीदी बनना चाहती है, तो वह हमसे बात कर सकती है। कोई भी ग्रामीण महिला मेरे मोबाइल नंबर 746007961 पर संपर्क कर सकती है। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्र कटिया और कृषि विभाग से वार्ड संपर्क कर इसका लाभ उठा सकता है।

पीएम ने पूछे आठ सवाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुनीता से ड्रोन दीदी बनने का सफर तय करने से संबंधित आठ सवाल पूछे। सुनीता का जवाब सुनने के बाद पीएम मोदी ने उन्हें बधाई देने के साथ सराहना भी की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सुनीता की बातचीत के प्रमुख अंश:

- प्रधानमंत्री : आपने कहाँ तक पढ़ाई की है?
- सुनीता : सर, हमने बीए तक पढ़ा है।
- प्रधानमंत्री : घर में क्या करीबत है?
- सुनीता : घर में सब लोग खेती-बाड़ी करते हैं।
- प्रधानमंत्री : आपको ड्रोन उड़ाने की ट्रेनिंग कहाँ मिली। इसके आपके जीवन में कैसे-कैसे बदलाव आया?
- सुनीता : इफको ने प्रशिक्षण में अपने मुख्यालय में इसकी ट्रेनिंग दी थी। इसके बाद ड्रोन उड़ाने में महारत हासिल हुई।
- प्रधानमंत्री : क्या आपने ड्रोन के बारे में पहले सुना था?
- सुनीता : वर्ष 2018 में कृषि विज्ञान केंद्र कटिया, सीतापुर में पहली बार ड्रोन देखा था। वहीं से इसके बारे में हाँच गयी।
- प्रधानमंत्री : पहले दिन ट्रेनिंग में ड्रोन के बारे में क्या जानकारी मिली? विस्तार से बताओ?
- सुनीता : ट्रेनिंग के दौरान ड्रोन के बारे में

- थोरी पढ़ाई थी। ड्रोन के पदर्स के बारे में जानकारी मिली। प्रैक्टिकल में ड्रोन को उड़ाना सिखाया गया। इसके बाद ड्रोन को उड़ाने में पूरी तरह प्रशिक्षित किया गया।
- प्रधानमंत्री : वह ड्रोन क्या काम करता है?
- सुनीता : इस समय खेतों में फसल खसला रही है। फसल तैयार हो रही है। किसानों को खेत में घुसने समय जहरीले कीड़े-मकोड़ों का डर होता है। ड्रोन से खेत को मेड पर खाड़े होकर छिड़काव हो जाता है। समय की बचत होती है।
- प्रधानमंत्री : किसानों को क्या इसका फायदा समझ में आया है?
- सुनीता : किसान बहुत संतुष्ट हैं। कुछ ही समय में खेत से काम हो जाता है।
- प्रधानमंत्री : देश को अब ड्रोन दीदी क्या संदेश देना चाहेंगी?
- सुनीता : मैं सीतापुर जिले की अकेली ड्रोन दीदी हूँ। चाहती हूँ कि हजारों महिलाएं आगे आएँ और ड्रोन दीदी बनें।

Picture 2.11: Media coverage in newspaper